

ban any organization because government believe that organizations should be fought politically and with the support of the people.

So far as the question of Ananda Marg is concerned, the question should be directed to my colleague, the Home Minister. As for Foreign Minister, I am not in a position to reply to that question.

MR. SPEAKER: Next question, Shri Bhagat Ram. He is absent.

SHRI SAMAR GUHA: rose

MR. SPEAKER: No, please. I have gone to the next question.

SHRI SAMAR GUHA: This is not really fair.

बिहार में डाकघरों का दर्जा बढ़ाया जाना

* 64. श्री ज्ञानेश्वर प्रसाद यादव : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या ऐसे डाकघरों का दर्जा बढ़ाकर सब-पोस्ट आफिस कर देने की योजना सरकार के विचाराधीन है जो वर्षों से नियमानुसार कार्य कर रहे हैं ; और

(ख) यदि हां, तो क्या बिहार के सहरसा जिले में गांव चौसा, पुरैनी और ग्वालपुर के डाकघर का दर्जा बढ़ाकर सब-पोस्ट आफिस बना दिया जाएगा और उनमें तार और टेलीफोन की सुविधा प्रदान की जाएगी ?

संचार मंत्री (श्री राजलाल वर्मा) :

(क) शाखा डाकघरों का दर्जा बढ़ा कर उन्हें विभागीय मानदंडों और निधियों के निर्धारण के अनुसार उप-

डाकघर बनाया जाता है। वर्ष 1977-78 के दौरान देश भर में 200 शाखा डाकघरों का दर्जा बढ़ा कर उन्हें उप-डाकघर बनाने की योजना है।

(ख) चौसा का डाकघर पहले से ही एक उप-डाकघर है और वहां तार सुविधा उपलब्ध है। उस डाकघर में टेलीफोन की सुविधा देने का प्रस्ताव मंजूर कर लिया गया है। सहरसा जिले के चौसा उप-डाकघर के साथ पुरैनी शाखा डाकघर का लेखा-संबंध है। पुरैनी डाकघर का दर्जा बढ़ाने के मामले की जांच की जाएगी। पुरैनी में तार सेवा पहले से ही उपलब्ध है और वहां टेलीफोन सुविधा देने के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी गई है।

ग्वालपुर शाखा डाकघर का दर्जा बढ़ाने के प्रस्ताव की भी पहले जांच कराई गई थी किन्तु उसका आंशिक सिद्ध नहीं हुआ था। इस मामले की फिर से जांच कराई जाएगी। ग्वालपुर में तार और टेलीफोन की सुविधाएं देने के प्रस्ताव की भी जांच की जा रही है।

श्री ज्ञानेश्वर प्रसाद यादव : इन्होंने अभी बताया है कि लगभग दो सौ डाकघरों में टेलीफोन और तार की सुविधा प्रदान की जाएगी और उनको सब पोस्ट आफिसिस में कवर्ट करने की योजना है। सुदूर देहातों में इ को खोलने या कनवर्ट करने के बारे में क्या कुछ जन संख्या निर्धारित की है और कहा है कि इतनी जनसंख्या के ऊपर जहां पोस्ट आफिस पहले से ही कार्यरत है उनको सब-पोस्ट आफिसिस में कनवर्ट कर दिया जाएगा या वहां फोन और तार की सुविधा दे दी जाएगी।

श्री बृजलाल वर्मा : जी हां । डाकखाने खोलने की जो योजना है उस में आठ बातों का ख्याल रखा जाता है जिस में से जनसंख्या भी एक है । वहां खर्च और आमदनी का भी ख्याल किया जाता है । पास में डाकखाना है या नहीं और कितनी दूरी पर है इसका भी ध्यान रखा जाता है । कोशिश यह की जाती है कि दो हजार की पापुलेशन में डाकखाना खुल जाए । ऐसे गांव जहां पर दो हजार की पापुलेशन नजदीक-नजदीक है उनका भी ख्याल किया जाता है और वहां भी डाकखाना खोलने की कोशिश की जाती है । इसके साथ साथ यह भी देखा जाता है कि डाकखाना ऐसी जगह होना जरूरी है जहां पर स्कूल हो, ब्लाक हो लोकल बोर्ड द्वारा और कोई वहां पर संस्थाएँ हों और ऐसी जगह भी डाकखाना खोलने की हम सुविधा देते हैं । इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए डाकखाने खोले जाते हैं ।

श्री ज्ञानेश्वर प्रसाद यादव : पुरैनी, चौसा और ग्वालपार जिनकी चर्चा की गई है मंत्री महोदय ने कहा है कि वहां पर तार की सुविधा पहले से उपलब्ध थी । लेकिन वस्तुस्थिति यह है कि जो ब्यान दिया गया है वह सही नहीं है, जो जानकारी इन्होंने मंगाई है मानूम पड़ता है कि उसमें दोष है, वहां पर तार की व्यवस्था नहीं थी । पुरैनी, चौसा और ग्वालपार सहरसा जिले के अन्तर्गत हैं । वहां सड़कों की सुविधा उपलब्ध है, बसों आती जाती हैं । डाक की व्यवस्था नौगछिया से चौसा को है जो कोसी नदी के उस पार है तो क्यों नहीं इसको सहरसा से सम्बद्ध कर दिया जाता है ? चूँकि ऐसा नहीं किया गया है इसीलिए इनफॉर्मेशन में गड़बड़ी हुई है । मैं चाहता हूँ कि पुरैनी, चौसा और ग्वालपार के

बारे में जो वस्तुस्थिति है उसको देख करके सहरसा से डायरेक्टली सम्बद्ध करके वहां पर सब पोस्ट आफिस की सुविधा दी जाए । आज लोगों को दस दस मील तार देने के लिए जाना पड़ता है, बिहारी-गंज जाना पड़ता है । इसलिए इन तीनों का सम्बन्ध सहरसा से करके तीनों को सब पोस्ट आफिस में कनवर्ट करके वहां पर तार और टेलीफोन की क्या सुविधा प्रदान की जाएगी ?

श्री बृजलाल वर्मा : अध्यक्ष महोदय, चौसा में सब-पोस्ट आफिस आलरेडी है, और पुरैनी नाम के दो स्थान हैं, एक पुरैनी है और दूसरा पुरैनी बाजार है । दोनों स्थानों में से पुरैनी में ब्रांच पोस्ट आफिस है । बाजार गणेशपुर में से आधा किलो मीटर की दूरी पर है और गणेशपुर पर ब्रांच पोस्ट आफिस है । डाकखाना खोलने के प्रस्ताव की भी जांच की गई है कि हमें वहां पर बड़त ज्यादा नुकसान होगा । पहली जांच 1971 और दुबारा 1973 में की गई उस से पता चला है

MR. SPEAKER: You cannot read out the whole thing. You must give the substance.

SHRI BRIJ LAL VERMA: I am just informing him of that.

MR. SPEAKER: You must read that at home and give the substance.

श्री बृजलाल वर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं इतना ही कहना चाहता हूँ कि इन दोनों गांवों के बारे में फिर से जांच करा रहे हैं और हम कोशिश कर रहे हैं कि जो वह चाहते है वह कैसे हम उन को दें ।

श्री छविराम अग्रवाल : दो हजार की आबादी वाले ऐसे कितने गांव हैं जहां पर पंचायत कार्यालय है, थाना है, लेकिन टेलिफोन और पोस्ट आफिस की सुविधा नहीं है क्या इस को वहां पर उपलब्ध करा दिया जायगा ?

श्री बृज लाल वर्मा : मैं जानना चाहता हूँ कि हमारी योजना है कि सारी ग्राम पंचायतों में हम 10 वर्षों में पोस्ट आफिस खोल दें । अभी तक बहुत सारे ग्राम पंचायतों में, और बहुत सी बड़ी बड़ी जगहों में पोस्ट आफिस नहीं हैं ।

श्री रामधारी शास्त्री : क्या मंत्री जी सदन को आश्वासन देंगे कि जितने भी डाकखाने खुल गए हैं उन में अगले दो सालों में तार सम्बन्ध स्थापित हो जायगा ?

श्री बृज लाल वर्मा : तार का सम्बन्ध स्थापित करने के लिए हम ने एक अलग योजना बनायी है और उस के अन्तर्गत जितने भी ढाई हजार और पांच हजार आबादी के गांव हैं उन सब में हम तार की योजना दो साल के अन्दर पूरी कर देंगे ।

SHRI VIJAYKUMAR N. PATIL : May I know from the hon. Minister whether he is thinking of reducing the rates of telephone connections in the rural areas, which are from urban exchanges? Secondly, may I know the number of the PBX Centres which are proposed to be opened next year?

श्री बृज लाल वर्मा : अध्यक्ष महोदय , हम दो साल के अन्दर गांवों के अन्तर्गत 4,000 पी० सी० ओख खोल रहे हैं ।

Opening of New Post Offices in Maharashtra

*65. **SHRI R. K. MHALGI :** Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether Government are aware that there is a shortage of Post Offices especially in rural areas and in backward localities of the urban areas in several districts of Maharashtra;

(b) if so, whether Government propose to open new Post Offices in the State in the near future i.e. within a year; and

(c) if so, the details thereof?

संचार मंत्री (श्री बृजलाल वर्मा) :

(क) सरकार डाक सुविधाओं के अभाव से पूरी तरह परिचित है । ग्राम ग्रामीण क्षेत्रों में डाक सुविधाओं के विकास पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है । इस से डाक सुविधाओं का अभाव भी सुनियोजित ढंग से दूर हो रहा है ।

(ख) और (ग) नए डाकघर खोलने के लिए कुछ मानदंड निर्धारित किए गए हैं । ये मानदंड पूरे होने और निधिगत उपलब्ध होने पर नए डाकघर निरन्तर खोले जा रहे हैं । ऐसा प्रस्ताव है कि ग्रामीण क्षेत्रों में 236 डाकघर और शहरी क्षेत्रों में 20 डाकघर खोल दिये जाएं । इन के अलावा चालू वित्तीय वर्ष के दौरान महाराष्ट्र राज्य में चलते फिरते डाकघरों के जरिए 3000 अतिरिक्त गांवों में डाक सुविधाएं दी जाएंगी तथा गांवों में 5000 लैटर बक्स लगाए जाएंगे ।

SHRI R. K. MHALGI : May I know from the hon. Minister in how many villages in Maharashtra State such post offices had been opened since the last thirty years?

SHRI BRIJ LAL VERMA : I have not got the figures with me at present. But, I can say that in all Gram Panchayats of your State, within ten years, there will be post offices.

SHRI R. K. MHALGI : My second supplementary is this. I want to know whether the mobile post offices